**ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE**
**24, AKBAR ROAD, NEW DELHI**
**COMMUNICATION DEPARTMENT**

**Highlights of Media Bite** **24 October, 2020**

**Ms Sushmita Dev, President AIMC & Spokesperson, AICC addressed media at AICC Hdqrs, today**

**सुश्री सुष्मिता देव ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि** सबसे पहले आप सबको महाअष्टमी की शुभकामनाएं।

आज हम देशभर में कन्या रक्षा का संकल्प लेते हैं। पर आश्चर्यजनक घटना ये है कि आज पूरे दिन में हमने ये देखा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने कई प्रेस वार्ताओं के माध्यम से पंजाब में हुई एक घटना के बारे में तीव्र निंदा की। बलात्कार एक ऐसा मुद्दा है, जिसमें किसी भी प्रदेश में हो या कोई भी दल, उस प्रदेश में किसी की भी सरकार हो, सबको दुख होता है। क्योंकि बलात्कार एक ऐसी चीज है, जिसने एक बार नहीं बार-बार देश की आत्मा को हिलाया है। चाहे वो निर्भया हो, चाहे वो उन्नाव हो, चाहे वो हाथरस की बेटी हो, चाहे वो देश में कहीं भी हो, राजस्थान हो, हरियाणा हो। मुझे दुख इस बात का है कि बीजेपी के तीन नेताओं ने निर्मला सीतारमन जी, प्रकाश जावेड़कर जी और हर्षवर्धन जी ने 14 सितंबर से जबसे हाथरस की घटना हुई, पहली बार महिला सुरक्षा पर वो बोले हैं और बोले भी हैं तो किसलिए बोले हैं, उसका एक ही कारण है कि वो राहुल गांधी जी और प्रियंका गांधी जी ने जो कदम उन्होंने उठाया था हाथरस जाने का, उस पर उनको आपत्ति है। उनका मूल उद्देश्य बलात्कार की उस घटना के प्रति संवेदना नहीं है, उनका मूल उद्देश्य उस पीड़िता के परिवार के साथ संवेदनशीलता दिखाने का नहीं है - उनका मूल उद्देश्य एक ही है कि विरोधी दल के नेताओं ने जब अपने राजधर्म का पालन किया, उसकी आलोचना करना। आज बीजेपी के नेताओं ने उसी उद्देश्य से तीन-तीन प्रेस वार्ताएं देशभर में की।

मैं निर्मला सीतारमन जी से, प्रकाश जावेड़कर जी से और हर्षवर्धन जी से ये पूछना चाहती हूं कि हाथरस के वक्त आप कहाँ थे? मैं ये पूछना चाहती हूं कि उन्नाव की बेटी का जब बलात्कार हुआ, आप कहाँ थे? आज आप अपनी जुबान एक बच्ची की हत्या पर इसलिए खोल रहे हैं, क्योंकि आप उसका राजनीतिकरण कर रहे हैं और अगर आप कहीं भी इस प्रेस वार्ता को सुन रहे हैं तो कान खोल कर ध्यान से सुनिए कि हाथरस के केस में सिर्फ राहुल गांधी जी और प्रियंका गांधी जी नहीं, कई विरोधी दल के नेता वहाँ पहुंचे, जैसे त्रृणमूल कांग्रेस, जैसे जयंत चौधरी जी, समाजवादी पार्टी अलग-अलग। और उसका कारण सिर्फ बलात्कार नहीं था, उसका मूल कारण ये था कि जब किसी पर अन्याय होता है, बलात्कार होता है; किसी भी तरह से इस तरह की घटना होती है और उस प्रदेश की सरकार, उस प्रदेश की पुलिस, उस प्रदेश का हर ऑफिसर, जब पीड़िता के परिवार पर लगातार अन्याय करता है, तब विरोधी दल के नेताओं का ये राजधर्म होता है कि उनके पास हम पहुंचे।

मैं निर्मला सीतारमन जी से कहना चाहती हूं कि देश के अर्थिक व्यवस्था का बेड़ा गर्ग करने के बाद आपने जुबान खोली भी तो किस मुद्दे पर खोली! महिला सुरक्षा पर खोली, जिसकी धज्जियां मोदी सरकार जबसे सत्ता में आई है, तब से उसकी धज्जियां उड़ रही हैं। मैं प्रकाश जावेड़कर जी से कहना चाहती हूं कि आपने महिला सुरक्षा पर जुबान खोली भी तो किसलिए खोली, क्योंकि बिहार में चुनाव हैं। मैं हर्षवर्धन जी से कहना चाहती हूं कि आपने पंजाब में उस बच्ची की हत्या को लेकर जुबान खोली भी तो कब खोली जब बिहार में चुनाव हैं।

मैं कहना चाहती हूं इन तीने नेताओं को और बीजेपी की हर उस महिला विरोधी नेता को जिसमें हमारे देश के प्रधानमंत्री स्वयं हैं कि हाथरस और पंजाब में क्या अंतर है और पंजाब में किसी और नेता एवं किसी और पार्टी के नेताओं को जाने की जरुरत क्यों नहीं है और हाथरस में क्यों है, इसके 8 कारण हैं और कान खोलकर सुनिएगा, क्योंकि आप लोगों की जो हैवानियत उत्तर प्रदेश में आप लोगों की सरकार ने की, उसका कच्चा चिट्ठा आज मैं इस प्रेसवार्ता के माध्यम से खोलना चाहती हूं।

पहला कारण, जब हाथरस की बेटी का बलात्कार हुआ, वो एफआईआर दर्ज कराने गई। सामूहिक बलात्कार था, आपने एफआईआर में रेप का सेक्शन डालने से मना कर दिया उत्तर प्रदेश की पुलिस ने। पंजाब की सरकार ने क्या किया - 36 घंटों में जो दोषी थे, वो गिरफ्तार हुए, आईपीसी और पॉक्सो की धाराओं को एफआईआर में लिखा गया। पंजाब के मुख्यमंत्री और डीजीपी ने खुद इस केस की निगरानी की और मुख्यमंत्री ने खुद सख्त से सख्त सजा की मांग की एवं वुमेन कमीशन व एससी कमीशन दोनों कमीशन की तरफ से एसएसपी के एक्सप्लॉनेशन को कॉल किया गया। और आपने एक ऐसी बेहुदा महिला को नेशनल कमीशन ऑफ वुमेन में बैठा रखा है, जिनकी जुबान में ना लगाम है और ना उनको बोलने की तमीज है। ये पहला कारण है कि हाथरस मे जाना जरुरी था, जहाँ आप एफआईआर में रेप का सेक्शन लिखने को नहीं तैयार थे।

दूसरा कारण, 10 दिन तक आपने हाथरस की पीड़िता को अलीगढ़ में रखा, 11 दिन आपने एफएसएल का रिपोर्ट नहीं मंगवाया। जो एफएलएल की रिपोर्ट 24 घंटे के अंदर रेप विक्टिम के शरीर से लेना होता है, आपने उसको 11 दिन तक उस एविडेंस को नहीं लिया। और पंजाब की सरकार ने क्या किया - पंजाब की सरकार ने 24 घंटे के अंदर पोस्टमार्टम भी किया और एफएसएल की रिपोर्ट भी उस पीड़िता के शव से लिया।

तीसरा कारण, हाथरस जाने की क्यों जरुरत थी और पंजाब की सरकार ने ऐसा कदम उठाया है कि शायद किसी के जाने से पहले ही उन्होंने अपने कर्तव्य का पालन किया। तीसरा कारण ये है कि पूरे जिले का प्रशासन, पूरे प्रदेश का प्रशासन आज पीड़िता के परिवार के साथ पंजाब में खड़े हैं और आपकी उत्तर प्रदेश के डीएम ने क्या किया – उत्तर प्रदेश के डीएम ने हाथरस की बेटी के परिवार के लोगों को डराकर, धमका कर कहा कि मीडिया तो आज है कल चली जाएगी, आपको हमारे साथ रहना है। आपके उत्तर प्रदेश के प्रशासन ने पीड़िता के परिवार वालों को धमकाया, वहीं पंजाब में कांग्रेस की सरकार के अंदर पूरा प्रशासन आज पीड़िता के परिवार के साथ खड़ा है।

चौथा कारण, डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट ने तो उत्तर प्रदेश में ना ही सिर्फ हाथरस की बेटी के परिवारवालों को धमकाया, एडिशनल डॉयरेक्टर जनरल ने तो सारी हदें पार कर दीं और ये एलान कर दिया कि जो दोषी लोग हैं, जो दोषी पाए गए थे हाथरस के केस में कि उन्होंने रेप किया ही नहीं, कि हाथरस की बेटी का रेप हुआ ही नहीं और पंजाब की पुलिस ने क्या किया – पंजाब की पुलिस ने पॉक्सो की

धाराएं लगाई। ये कारण है कि हाथरस में सबको जाने की जरुत है और पंजाब में सरकार अपना कर्तव्य पालन कर रही है और किसी और को वहाँ जाकर न्याय करने की जरुरत नहीं है।

छठा कारण, उत्तर प्रदेश में आपने मीडिया को हाथरस के इस कांड में पहुंचने ही नहीं दिया। क्या कोई कह सकता है यहाँ मेरे मीडिया के दोस्त हैं कि पंजाब की पुलिस या पंजाब के प्रशासन ने किसी मीडिया को दोस्त को रोका, कहीं लाठी चार्ज हुआ? बिल्कुल नहीं हुआ और उसके बाद अगला कारण, सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कारण, निर्मला सीतारमन जी अपने कान खोल कर सुनिएगा कि पंजाब की सरकार ने, पंजाब के मुख्यमंत्री ने पीड़िता का जो अंतिम संस्कार किया, उसका पूरा परिवार वहाँ पर मौजूद था, पूरा गांव मौजूद था। और गांव के लोगों ने पंजाब की सरकार पर आस्था जताते हुए कहा कि हमें सख्त से सख्त सजा आरोपी के खिलाफ चाहिए। अजय बिष्ट जी ने क्या किया – अजय बिष्ट जी ने हाथरस की पीड़िता को अंधेरे में बिना किसी परिवार के सदस्य के वहाँ होते हुए, गांव के लोगों को रोकते हुए हाथरस की बेटी का अंतिम संस्कार करवा दिया। इसलिए राहुल गांधी जी और प्रियंका गांधी जी का हाथरस जाना जरुरी थी। अगर कोई सोचता है कि कांग्रेस पार्टी इन मुद्दों का राजनीतिकरण कर रही है, तो मैं अगला और अंतिम कारण बोल दूं कि इलाहाबाद की कोर्ट ने उत्तर प्रदेश की सरकार के प्रति जिस तरह का खंडन किया है हाथरस के केस को लेकर, शायद देश के सामने और किसी सबूत की जरुरत नहीं है कि हाथरस कांड में क्या हुआ और देश के किसी और बलात्कार में सरकार का क्या रोल रहा।

इसलिए निर्मला सीतारमन जी से कहना चाहती हूं कि आप जिसको पिकनिक कह रहे हैं निर्मला सीतारमन जी, उसको हम अपना कर्तव्य मानते हैं। जब कोई घटना देश को हिला देती है, देश की आत्मा को हिला देती है, हमारा फर्ज बनता है वहाँ जाना। जिस तरह से आपने हाथरस की बेटी के हत्या के बाद, मौत के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने हाथरस में रैली निकाली और मीटिंग करके, सभा करके दोषियों का उन्होंने साथ दिया, क्या कोई कह सकता है कि पंजाब में कांग्रेस पार्टी का ऐसा कोई नेता है, जो आज होशियारपुर में जो हुआ, उस पीड़िता के दोषी के साथ पंजाब का कोई नेता खड़ा है - बिल्कुल नहीं खड़ा है। इसलिए हाथरस जाने की जरुरत थी और जब-जब देश के किसी भी कोने में आपकी सरकार ऐसा अन्याय करेगी, हम फिर जाएंगे, चाहे उत्तर प्रदेश की पूरी पुलिस फोर्स को आप नोएडा के बॉर्डर में खड़ा कर दें या उत्तर प्रदेश या दिल्ली के बॉर्डर पर खड़ा कर दें, राहुल गांधी जी और प्रियंका गांधी जी वहाँ जाएंगे।

निर्मला सीतारमन जी आज महाअष्टमी है, हम महागौरी के रुप में कन्या पूजन करते हैं, पर आप एक महिला होकर, मैं दुख के साथ कहती हूं कि आपने फिर एक महिला का अपमान किया, एक नारी का अपमान किया, वो नारी हाथरस की बेटी है। आज आपने फिर अनदेखी की है फिरोजाबाद की बेटी जिसे अपराधियों ने घर में घुसकर गोली मार दी। 11 वहीं में पढ़ने वाली उस बच्ची का अपराध था कि उसने अपने साथ छेड़छाड़ करने वालों का विरोध किया था। आपने आज हमारे नेताओं पर ऊंगली उठाई, जो हाथरस की बेटी के खिलाफ होते अन्याय, उसके परिवार के खिलाफ होते अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना चाहते थे। उनकी लड़ाई लड़ना चाहते थे। इसलिए मैं प्रकाश जावेड़कर जी, हर्षवर्धन जी और निर्मला सीतारमन जी को बोलना चाहती हूं कि आप जनप्रतिनिधी नहीं हैं, आप एक सोच के गुलाम हैं और आप गुलाम ही रहेंगे। कांग्रेस पार्टी अपना कर्तव्य पालन करती रहेगी, राहुल जी, प्रियंका जी अपना कर्तव्य पालन करते रहेंगे।

**Ms. Sushmita Dev said-** I am appalled, disgusted and disheartened to see that the Finance Minister of the country Smt. Nirmala Sitharaman Ji, Dr Harsh

Vardhan Ji, who is also a senior leader of the BJP Party and Shri Prakash Javadekar Ji have spent a lot of time and energy today to raise the unfortunate death of a young girl in Hoshiarpur of Punjab and raised the question that why should leaders of the Congress Party visit Hathras and not Punjab? And I would like to tell Nirmala Sitharaman Ji, you repeatedly proved you're not just incompetent in your own Ministry but, you are insensitive as not only a Minister, but, as a Women Minister in the Government. There is a reason why many opposition leaders felt, it was their prime duty to go to Hathras and those reasons are that Police refused to file an FIR with the section of Rape in Hathras. And in Punjab, let me draw a comparison that the Punjab Government not only immediately filed an FIR with POCSO and IPC sections within 36 hours, the accused were arrested, the CM and the DGP are personally looking into the case. CM has insisted on exemplary punishment. The Punjab State Women's Commission and the SC Commission have taken cognizance and asked for a report from the SSP.

Second reason, why people felt, it was necessary to stand by the family members of the Hathras rape victim, which may not be necessary in Punjab, is that UP Government left the victim, the Hathras victim over 10 days in a hospital and 11 days without a forensic report being called on which is absolutely essential to be taken within 24 hours. You left out the forensic evidence because it suited you, because you wanted to take the case to say that there was no rape. That has been proved again and again, but, Punjab Government and Punjab police has sent the Hoshiarpur case to fast track with the strictest sections of POCSO, which has capital punishment.

Third reason, why people felt the need and the leaders felt the need to go to Hathras and may be not going to Punjab, is because the entire district administration of Hathras geared up, not to protect the victim and the family but, to threaten the Hathras Victim's family and that's why opposition leaders felt it was their duty to go to Hathras.

In Punjab, the Chairman of the Punjab State women's Commission has already met the family, assured their full support as well as a SC Commission has sought a report from SSP as I have already said. Your own District Magistrate in Hathras case threatened the family. Can anybody say that any person, any member of the Punjab Administration has threatened this family? Another reason the Additional Director General of UP said- there is no rape in the Hathras case. Can anybody say that the Punjab Police or any Police officer in Punjab is denying rape? In fact POCSO has been invoked. Uttar Pradesh beat up Media people. Punjab has not tried to hush up this case. Apart from that it is disgusting, where were you Nirmala Sitharaman Ji, when BJP leaders in Hathras were rallying with the accused and victim shaming the Hathras' daughter, who was killed so brutally, where were you, why were you silent?

Most importantly and I want the nation to know this, that Captain Amarinder Singh and the Punjab Government ensured that the young girl, who unfortunately lost her life, was cremated with full respect, complete rituals in the presence of her family and not just her family, but, the entire village and what did Ajay Bisht do- Ajay Bisht cremated her in the dark of the night without a single member, even in her last moment, he deprived the victim of basic human rights.

I would like to say that in case Nirmala Sitharaman Ji, Prakash Javadekar Ji and Harsh Vardhan Ji did not know that the Allahabad court has given a tight slap on the face of UP Government and the Chief Minister and Administration in condemning the manner in which the Hathras case was dealt with. Can anybody say that in the Hoshiarpur case that the court feels a need to intervene? I don't think so. That is the reason that Rahul Gandhi Ji and Smt. Priyanka Gandhi Vadra Ji felt, it was their duty to stand by the family which was being harassed by Ajay Bisht Ji and his Government.

I hope that Smt. Nirmala Sithraman Ji will stop displaying her total insensitiveness towards a sensitive issue like this. Don't politicize it. The nation understands that you have suddenly woken up from your deep sleep, because Bihar is in election mode. There is no second reason. Your party, your leaders, your Prime Minister does not see beyond elections and that's why, all of a sudden, you have decided to make Hoshiarpur an issue.

**Sd/-**
**(Dr. Vineet Punia)**
**Secretary**
**Communication Deptt,**
**AICC**

| S.NO. | HATRAS | HOSHIARPUR |
|---|---|---|
| 1. | The Police shunned the victim from the Station and refused to lodge an FIR for sexual assault. | All the accused persons have been arrested by the Punjab Police within 36 hours. The accused have been charged under the IPC and the stringent POCSO, which carries the punishment of death sentence. The CM and the DGP are personally monitoring the probe. The case to be tried by the Special Fast Track Court. Capt Amarinder Singh has sought "exemplary punishment" from the Court. The Punjab State Women's Commission and the SC Commission has taken cognizance and sought reports from the SSP. |
| 2. | There was a delay of over 10 days in taking the victim to the Aligarh Hospital. FSL samples taken after 11 days whereas the law (CRPC) mandates that the said samples should be taken within 24 hours of the alleged occurrence. Forensic samples of the scene of crime not taken. Crucial forensic evidence destroyed due to the delay in the probe. | No delay in taking the forensic samples. Speedy and effective investigation. |
| 3. | District Administration forcibly cremated the victim against the wishes of the family. | District and the State administration are rendering full assistance to the family. The Chairman of the Punjab State Women's Commission met the bereaved family and assured full support. The Punjab State SC Commission has sought a report from the SSP, Hoshiarpur. |
| 4. | District Magistrate threatens and intimidates the victim's family. | |
| 5. | Additional Director General (ADGP), UP gives a clean chit to the accused persons absolving them of rape despite the victim's express and clear dying declaration. | Punjab Police has invoked the stringent provisions under the IPC and POCSO, 2012 (Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012) |
| 6. | The media was banned from entering the village. Opposition leaders were lathi charged. Several | |

| | | |
|---|---|---|
| | media persons were put under surveillance and detained by the police. | |
| 7. | Local BJP leaders held rallies and meetings in support of the accused persons. | |
| 8. | Allahabad High Court has passed strictures against the UP Administration for mishandling the initial probe and criminal negligence. | |